RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 164
दि. 13.10.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

स्कूलों में होगी डिजिटल ट्रांसपेरेंसी, यूपीआई से एक क्लिक में कैसे जमा होगी फीस?

देश के स्कूलों में अब बदलाव की हवा बह रही है। केंद्र सरकार ने स्कूलों में फीस जमा करने के तरीके में डिजिटल मोड को अपनाने का बड़ा कदम उठाया है। शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूलों को पत्र जारी करते हुए NCERT, CBSE, KVS और NVS जैसे प्रमुख शिक्षा संस्थानों को फीस के लिए डिजिटल पेमेंट, खासकर UPI, अपनाने का सुझाव दिया है। इस पहल का मकसद सिर्फ लंबी लाइनें खत्म करना नहीं है। बल्कि स्कूल प्रशासन को टेक्नोलॉजी के मामले में अपडेट रखना और पेरेंट्स को सुविधाजनक, तेज और सुरक्षित तरीका देना भी है।

गाजा शांति वार्ता में भारत को भी बुलावा, पीएम मोदी ने भेजा अपना दूत; क्या है प्लान

(जीएनएस)।

गाजा में शांति बहाली के लिए मिस्र में होने जा रही बैठक में भारतीय पक्ष की भी मौजूदगी होगी। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह सोमवार को मिस्र के शहर शर्म अल शेख में आयोजित शांति शिखर सम्मेलन में जाएंगे। खास बात है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मिस्र के उनके समकक्ष अब्देल फतेह अल सीसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को न्योता भेजा था। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और लगभग 20 अन्य वैश्विक नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

भारत ने सिंह को इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री के विशेष प्रतिनिधि के तौर पर हिस्सा लेने के लिए अधिकृत किया है। सिंह ने एक्स पर लिखा, 'शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष प्रतिनिधि के रूप में मैं ऐतिहासिक शहर काहिरा पहुंच गया हूं।' मिस्र के राष्ट्रपति की मेजबानी में हो रहे शर्म अल-शेख शांति

शिखर सम्मेलनद्ध में गाजा के साथ-साथ पश्चिम एशिया में व्यापक स्थायी शांति लाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की जाएगी। इसकी सह-अध्यक्षता अल-सीसी और ट्रंप करेंगे।

खास बात है कि ऐन मौके पर मिले पीएम मोदी को न्योते के बाद सिंह को भेजने का फैसला लिया गया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी बैठक में शामिल हो सकते हैं, जिसके मद्देनजर सिंह को भेजने का निर्णय हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत इस बात का जोखिम नहीं उठाना चाहता था कि ट्रंप और शरीफ के एक मंच पर आने के बाद स्थिति कैसी बनेगी।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं में शामिल होंगे।

मिस्र की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 'शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करेंगे, जिसमें 20 से ज्यादा देशों के नेता हिस्सा लेंगे।' इसमें कहा गया, 'शिखर सम्मेलन का उद्देश्य गाजा पट्टी में युद्ध को समाप्त करना और पश्चिम एशिया में शांति एवं स्थिरता लाने के प्रयासों को बढ़ाना है।'

मुख्यमंत्री ने लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के 150वीं जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में होने वाले सरदार@150 यूनिटी मार्च कार्यक्रम के सम्बन्ध में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया

31 अक्टूबर से 26 नवम्बर, 2025 तक सरदार@150 यूनिटी मार्च का आयोजन किया जाएगा : मुख्यमंत्री

लौहपुरुष सरदार पटेल महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व अखण्ड भारत के शिल्पी, उन्होंने देश के अन्दर सैकड़ों रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाने के लिए दूरदर्शिता व सूझ-बूझ के साथ कार्य किया

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पूरा देश वर्ष 2014 से लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की पावन जयन्ती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाता

दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, गुजरात में केवड़िया के पास स्थापित, यह स्थल भारत की एक नयी प्रेरणा स्थली तथा पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित हो चुका

केन्द्रीय खेल और युवा कल्याण विभाग मंत्रालय द्वारा युवाओं के लिए होने वाले विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों हेतु एक पोर्टल जारी किया गया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 42 अक्टूबर, 2025 को अपने सरकारी आवास पर लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के 450वीं जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले 'सरदार@50 यूनिटी मार्च' कार्यक्रम के सम्बन्ध में मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए।

प्रदेश के प्रत्येक जनपद में 31 अक्टूबर को रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र व विधान सभा क्षेत्र में 08 से 10 कि0मी0 की एक पदयात्रा निकाली जाएगी, पदयात्रा के कार्यक्रम में जनपद के 05 प्रतिनिधियों को बस द्वारा सरदार पटेल की पावन जन्मभूमि करमसर ले जाया जाएगा

150 कि0मी0 लम्बी पदयात्रा में देश भर से आए हुए युवाओं को आपस में मिलने और उस कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त होगा

भारत की एकता और अखण्डता के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के योगदान पर आधारित निबन्ध एवं वादविवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं के लिए ह्यनशा मुक्त भारतह्न शपथ ग्रहण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

सप्ताह में दूसरी बार मिले उद्धव और राज ठाकरे, बीएमसी चुनाव से पहले क्या हुई बात?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने रविवार, 12 अक्टूबर को अपने चचेरे भाई और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे के मुंबई स्थित आवास मातोश्री का पहुंचे। यह एक सप्ताह के भीतर उनका दूसरा दौरा था, जिसने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है।

जब पत्रकारों ने इस मुलाकात के पीछे के मकसद के बारे में पूछा, तो राज ठाकरे ने संक्षिप्त रूप से कहा, "मेरी मां मेरे साथ हैं।" उनका यह बयान इस बात का संकेत था कि यह एक पारिवारिक मिलन था, लेकिन यह मुलाकात बृहनमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों से पहले दोनों भाइयों के संभावित गठबंधन की अटकलों के बीच हुई है।

राज ठाकरे ने पिछले रविवार को भी मातोश्री का दौरा किया था। तब वह शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के परिवार के एक समारोह में शामिल हुए थे। कभी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे ये दोनों चचेरे भाई, 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद से सुलह के संकेत दे रहे हैं।

पिछली बार उद्धव ठाकरे अकेले ही राज ठाकरे के शिवतीर्थ निवास पर उनसे मिलने गए थे। लेकिन इस बार राज ठाकरे पूरे परिवार के साथ उद्धव ठाकरे के मातोश्री निवास पहुंचे, जो उनके संबंधों में बढ़ती मजबूती को दशार्ता है। इस बीच, स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मनसे और ठाकरे सेना के बीच गठबंधन की चचाएँ तेज हो गई हैं।

कई वर्षों तक अलग रहने के बाद, दोनों भाइयों के बीच अब नजदीकियां बढ़ रही हैं और एक सीधे राजनीतिक गठबंधन की संभावना पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, शिवसेना (यूबीटी) और मनसे ने अभी तक बीएमसी चुनावों के लिए किसी गठबंधन की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके नेताओं ने ऐसे गठबंधन की पुष्टि की है।

ठाकरे बंधुओं की हालिया मुलाकातें राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा का विषय बनी हुई हैं। 5 जुलाई, 2025 को मराठी भाषा के विजय मेळावा में उद्धव और राज ठाकरे एक ही मंच पर नजर आए थे। इसके बाद, 27 जुलाई, 2025 को मराठी भाषा मेळावे के बाद दोनों के बीच दूरियाँ कम हुई और राज ठाकरे उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर मातोश्री पहुँचे।

27 अगस्त, 2025 को करीब दो दशकों बाद उद्धव ठाकरे गणेशोत्सव के अवसर पर राज ठाकरे के शिवतीर्थ निवास पर पहुंचे, जिससे राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात की चर्चा और तेज हो गई। 10 सितंबर, 2025 को गणेशोत्सव के मौके पर एक और मुलाकात हुई, लेकिन बात अधूरी रह गई। इसके बाद उसी महीने उद्धव ठाकरे अपने परिवार के साथ शिवतीर्थ निवास पर फिर से गए।

स्थानीय निकाय और पालिका चुनावों में गठबंधन की अटकलों के बीच, 5 अक्टूबर, 2025 को ठाकरे बंधु तीन महीने में पांचवीं बार शिवसेना सांसद संजय राउत के पोते के नामकरण समारोह में परिवार सहित एक साथ देखे गए।

कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का सख्त संदेशः जनहित में लापरवाही नहीं चलेगी, 9 घंटे की बैठक में सुशासन और योजनाओं पर गहन मंथ

छत्तीसगढ़ कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2025 का ध्यान शासन और पारदर्शिता के लिए नए मानक स्थापित करने पर था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साई ने जनता तक लाभों की समय पर डिलीवरी और सरकारी योजनाओं की कड़ी निगरानी पर जोर दिया।

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में रविवार को मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2025 में सुशासन, पारदर्शिता और जनहित के नए मानक तय किए गए। बैठक की शुरूआत निर्धारित समय से पहले हुई, जिसने पूरे प्रशासन को मुख्यमंत्री की वर्क-डिसिप्लिन और परिणाम केंद्रित कार्यशैली का सीधा संदेश दिया। बैठक में मुख्य सचिव श्री विकास शील, सभी विभागीय सचिव, संभागायुक्त और कलेक्टर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रारंभ से ही स्पष्ट कर दिया कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम लाभ जनता तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचना ही सुशासन का वास्तविक अर्थ है — और इस दिशा में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह कॉन्फ्रेंस केवल समीक्षा बैठक नहीं, बल्कि जनहित के नए मानक तय करने का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि जिलों में योजनाओं के क्रियान्वयन में परिणाम दिखाई देने चाहिए, केवल रिपोर्टों में नहीं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स कांफ्रेंस में कहा कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम उद्देश्य आम जनता तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच आपकी उपस्थिति और संवेदनशीलता ही आपकी पहचान है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होगी और इसकी सभी तैयारियाँ समय पर पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सीधे कलेक्टर जिम्मेदार होंगे। धान खरीदी में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक धान खरीदी केंद्र की मॉनिटरिंग हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभारी सचिव जिलों में लगातार निगरानी रखें और संवेदनशील केंद्रों की विशेष मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीदी की चौकसी बढ़ाने के लिए अब इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का उपयोग किया जाएगा। इससे जिलों में निगरानी तेज होगी और किसी भी गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई संभव होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि अंतरराज्यीय सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए, ताकि बाहर से धान की अवैध आवाजाही को रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने विशेष पिछड़ी जनजातियों के किसानों के लिए विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन जनजातीय इलाकों में विशेष शिविरों के माध्यम से 100 प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक भी पात्र किसान वंचित न रहे, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिलों में निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी पात्र किसानों को लाभ पहुँचना चाहिए। उन्होंने कमिश्नरों को निर्देश दिया कि बस्तर और सरगुजा सम्भाग में विशेष रूप से योजना की प्रगति की सतत समीक्षा करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिकतम लोगों तक पहुँचे। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राहियों को बैंक फाइनेंस की सुविधा आसानी से उपलब्ध कराई जाए।

पवन सिंह का चुनाव लड़ने से इनकार, पत्नी ज्योति उतरेंगी मैदान में, किस सीट-पार्टी से टिकट?

(जीएनएस)।

भोजपुरी सुपरस्टार और इखढ नेता पवन सिंह (38) इन दिनों सुर्खियों में

छाए हुए हैं। वजह है- उनकी दूसरी पत्नी ज्योति सिंह (35) और उनके बीच का विवाद और बिहार चुनाव 2025। ज्योति सिंह ने पवन पर मानसिक प्रताड़ना, गर्भपात जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। इसी बीच, पवन सिंह ने बिहार चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। कहा- 'मैं पार्टी का सच्चा सिपाही हूं, लेकिन विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा।'

सीएम मोहन यादव ने लाड़ली बहनों के खातों में ₹1541 करोड़ ट्रांसफर किए, जानिए कब से हर माह मिलेंगे ₹1500

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने श्योपुर से लाड़ली बहना योजना की 29वीं किस्त जारी करते हुए प्रदेश की 1 करोड़ 27 लाख महिलाओं के खातों में ₹1541 करोड़ की राशि ट्रांसफर की। इस बार महिलाओं को 1250 रुपये के हिसाब से पैसा मिला है। मुख्यमंत्री ने मंच से घोषणा की कि अब अगली किस्त से महिलाओं को ₹1500 दिए जाएंगे।

सीएम ने कहा- "बहनों के लिए सरकार के पास पैसों की कोई कमी नहीं है। कांग्रेस कहती थी कि यह योजना बंद हो जाएगी, लेकिन हम पैसे दे रहे हैं। कांग्रेस वालों की आंखें हैं तो देख लें।"

उन्होंने साथ ही कहा कि "भाई दूज के बाद यानी नवंबर 2025 से लाड़ली बहनों को ₹1500 प्रतिमाह मिलना शुरू होगा।"

लाड़ली बहना योजनाः अब तक का सफर

लाड़ली बहना योजना की शुरूआत मई 2023 में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की थी। उद्देश्य था- 21 से 60 वर्ष की महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना।

शुरूआत में महिलाओं को ₹1000 की सहायता दी गई थी।

रक्षाबंधन 2023 पर इसे बढ़ाकर ₹1250 किया गया।

अब ₹1500 प्रतिमाह की नई राशि से योजना का कुल मासिक खर्च ₹1859 करोड़ तक पहुंच जाएगा।

इस बढ़ोतरी से राज्य सरकार पर अतिरिक्त ₹318 करोड़ का वित्तीय बोझ बढ़ेगा।

योजना से 1.27 करोड़ परिवार लाभान्वित हो रहे हैं, हालांकि आय सीमा जैसी शर्तों के कारण कुछ महिलाएं अब भी वंचित हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सुप्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र महुड़ी में भगवान घंटाकर्ण का दर्शन-पूजन किया

भगवान घंटाकर्ण महावीर की आरती और पूजा-अर्चना कर राज्य के नागरिकों की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए प्रार्थना की

गांधीनगर, 12 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को सुप्रसिद्ध जैन तीर्थ स्थल महुड़ी जिनालय में भगवान घंटाकर्ण की आरती और पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल राज्य में चल रहे विकास सप्ताह के जश्न के अंतर्गत गांधीनगर जिले में विकास रथ के प्रस्तान के लिए महुड़ी में मौजूद थे, इस दौरान उन्होंने महुड़ी तीर्थ क्षेत्र में भगवान घंटाकर्ण के दर्शन किए। उन्होंने भगवान घंटाकर्ण की आरती और पूजा-अर्चना कर राज्य के सभी नागरिकों की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए प्रार्थना की।

वर्धमान रेलवे स्टेशन की सीढ़ी पर जुटी यात्रियों की भीड़, मची भगदड़, 7 यात्री हुए घायल

पश्चिम बंगाल के वर्धमान रेलवे स्टेशन पर रविवार (12 अक्टूबर, 2025) को भीषण भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम सात यात्री घायल हो गए। यह घटना तब हुई जब एक साथ कई ट्रेनों में चढ़ने के प्रयास में यात्रियों की भारी भीड़ फुट ओवरब्रिज पर जमा हो गई।

आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुँचकर घायलों को वर्धमान मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उनका इलाज जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, अब स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन घटना के कारणों की गहन जांच की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शाम 5:15 से 5:25 बजे के बीच, प्लेटफॉर्म नंबर 4, 6 और 7 पर एक साथ तीन ट्रेनें खड़ी थीं।

सम्पादकीय

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समिति से अस्थायी यात्रा छूट प्राप्त करने के बाद तालिबान नेता भारत पहुंचे

भारत और अफ़गानिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की पुनर्स्थापना एक सहयोगात्मक और सुरक्षित भविष्य के लिए हमारे सामूहिक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। बैठक के दौरान, एस जयशंकर ने घोषणा की कि भारत अफ़गानिस्तान की राजधानी काबुल में अपना दूतावास फिर से खोलेगा, जिसे चार साल पहले बंद कर दिया गया था। भारत और अफ़गानिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की बहाली भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार, 10 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में अफ़गानिस्तान के विदेश मंत्री, मावलवी अमीर खान मुत्ताकी की मेजबानी की। 2021 के बाद से यह दोनों पक्षों के बीच पहली उच्च-स्तरीय वार्ता थी। चर्चा में अफ़गानिस्तान की आर्थिक बहाली, उग्रवाद और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नवाचार, वित्तीय सेवाएं, स्वास्थ्य सेवा और दवा, कनेक्टिविटी और सुव्यवस्थित पारगमन, व्यापार और ऊर्जा जैसे मुद्दे शामिल थे। तालिबान नेता संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समिति से अस्थायी यात्रा छूट प्राप्त करने के बाद नई दिल्ली पहुँचे, क्योंकि उन पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध लागू हैं, जिनमें यात्रा प्रतिबंध और संपत्ति ज़ब्त करना शामिल है। भारत-अफ़गानिस्तान संबंध सहस्राब्दियों पुराने हैं और ऐतिहासिक व सयातगत क्षेत्रों में समानताएँ रखते हैं। अफ़गानिस्तान के साथ भारत के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी हैं। इन दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार सिल्क रोड से कम से कम तीन हज़ार साल पहले से है। यह सामरिक, आर्थिक और व्यापारिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भारत के साथ इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध, निस्संदेह, स्थायी रुचि के बने रहेंगे। लेकिन साझा हितों को बढ़ावा देने के लिए अफ़गानिस्तान में समकालीन घटनाओं के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता अधिक महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली और काबुल के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए अर्थव्यवस्था और नवाचार, स्वास्थ्य सेवा और फार्मा, संपर्क और सुव्यवस्थित पारगमन, प्रमुख क्षेत्र हैं। हमें व्यापार, आर्थिक और निवेश के क्षेत्र में भारत- अफ़गानिस्तान संबंधों को और गहरा करने के लिए एक रोडमैप की आवश्यकता है। अफ़गानिस्तान की आर्थिक सुधार और विकास परियोजनाओं में भारत की भूमिका, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक अवसंरचना और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में, एक महत्वपूर्ण कारक है। अफ़गानिस्तान के साथ भारत के चल रहे स्वास्थ्य सेवा सहयोग के हिस्से के रूप में, कई परियोजनाएँ शुरू की जा रही हैं, जिनमें एक थैलेसीमिया केंद्र, एक आधुनिक निदान केंद्र की स्थापना और काबुल स्थित इंदिरा गांधी बाल स्वास्थ्य संस्थान में हीटिंग सिस्टम को बदलना शामिल है। इसके अतिरिक्त, भारत काबुल के बगरामी ज़िले में 30 बिस्तरों वाला एक अस्पताल, काबुल में एक ऑन्कोलॉजी केंद्र और एक ट्रॉमा सेंटर, और पक्तिका, खोस्त और पक्तिया प्रांतों में पाँच प्रसूति स्वास्थ्य क्लिनिक का निर्माण करेगा। अफ़गान नागरिकों को लगभग 75 कृत्रिम अंग सफलतापूर्वक लगाए गए हैं, जिसकी अफ़गान सरकार और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय दोनों ने व्यापक रूप से सराहना की है। एक विशेष सद्भावना के रूप में, भारत अफ़गान लोगों को बीस एम्बुलेंस उपहार में देगा। विदेश मंत्री के साथ अपनी बैठक के बाद विदेश मंत्री ने प्रतीकात्मक रूप से इन एम्बुलेंसों को सौंपा। क्षमता निर्माण के क्षेत्र में, भारत ई- आईसीसीआर छात्रवृत्ति योजना के तहत अफ़गान छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता रहा है। आईसीसीआर और अन्य छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के तहत अफ़गान छात्रों के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन के अन्य अवसरों पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है। अफ़गानिस्तान की धारणा में, भारत एक स्वागतयोग्य और सौम्य पड़ोसी है। काबुल बाज़ार अर्थशास्त्र में भारत के विकासात्मक अनुभव से भी सीखना चाहता है। भारत, क्षेत्रीय स्थिरता, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद और धर्मिक उग्रवाद के मुद्दों के समाधान के लिए अफ़गानिस्तान के साथ मिलकर काम कर रहा है। भारतीय और अफ़गान उद्यमियों को नए रास्तों और बाज़ारों पर पेशेवर और समय पर शोध सलाह प्रदान करने की सख़्त ज़रूरत है। भारत और अफ़गानिस्तान के बीच आर्थिक संबंधों को मज़बूत करने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण वांछनीय और अपरिहार्य है। इसे परिवहन पहुँच के मुद्दे के कल्पनाशील और दूरदर्शी समाधानों के लिए मिलकर काम करना होगा। ईरान के माध्यम से भारत और अफ़गानिस्तान को जोड़ने की पहल महत्वपूर्ण और उपयोगी कदम है। चाबहार बंदरगाह के माध्यम से समुद्री और सड़क मार्ग भारत से अफ़गानिस्तान की दूरी कम कर देगा। साथ ही, भौगोलिक दुर्गमता की समस्या से निपटने के लिए डिजिटल हाईवे एक बेहतर विकल्प है। हम 22 अप्रैल, 2025 को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने के लिए अफ़गानिस्तान की वर्तमान सरकार के आभारी हैं। कल हुई बैठक में इस बात को दोहराया गया। किसी भी राज्य को विदेश नीति के साधन के रूप में आतंकवाद का उपयोग करने की कोई गुंजाइश नहीं है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में हाल ही में हुए बर्बर हमले निंदनीय हैं। हम भारत और अफ़गानिस्तान के बीच संबंधों को मज़बूत करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं - एक ऐसी साझेदारी जो इतिहास, संस्कृति और पारस्परिक प्रगति पर आधारित है। दोनों पक्षों ने भारत-अफ़गानिस्तान हवाई माल ढुलाई गलियारे की शुरूआत का स्वागत किया, जिससे दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष व्यापार और वाणिज्य को और बढ़ावा मिलेगा। इस नए गलियारे से कनेक्टिविटी सुगम होने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अफ़गान पक्ष ने भारतीय कंपनियों को खनन क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को मज़बूत करने में मदद मिलेगी। हेरात में भारत- अफ़गानिस्तान मैत्री बांध (सलमा बांध) के निर्माण और रखरखाव में भारत की सहायता की सराहना करते हुए, दोनों पक्षों ने सतत जल प्रबंधन के महत्व पर भी ज़ोर दिया और अफ़गानिस्तान की ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने और उसके कृषि विकास को सहयोग देने के उद्देश्य से जलविद्युत परियोजनाओं पर सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की। भारत और अफ़गानिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की पुनर्स्थापना एक सहयोगात्मक और सुरक्षित भविष्य के लिए हमारे सामूहिक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। बैठक के दौरान, एस जयशंकर ने घोषणा की कि भारत अफ़गानिस्तान की राजधानी काबुल में अपना दूतावास फिर से खोलेगा, जिसे चार साल पहले बंद कर दिया गया था। यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो तालिबान शासित देश के राजनयिक संबंधों का विस्तार करता है। 2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली नाटो सेनाओं की वापसी के बाद तालिबान द्वारा सत्ता हथियाने के बाद भारत ने काबुल में अपना दूतावास बंद कर दिया था, लेकिन एक साल बाद व्यापार, चिकित्सा सहायता और मानवीय सहायता के लिए एक छोटा मिशन खोला। तालिबान के विदेश मंत्री मुत्ताकी ने अपने भारतीय समकक्ष को आश्वासन दिया है कि अफ़गानिस्तान किसी भी समूह को किसी अन्य देश के खिलाफ अपने क्षेत्र का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा। मुत्ताकी ने बैठक के दौरान कहा, अफ़गानिस्तान में हाल ही में आए भूकंप में, भारत सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाला देश था।

अफ़गानिस्तान भारत को एक घनिष्ठ मित्र के रूप में देखता है।

हम आपसी सम्मान, व्यापार और लोगों के बीच संबंधों पर आधारित संबंध चाहते हैं। हम अपने संबंधों को मज़बूत करने के लिए एक परामर्श तंत्र बनाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे दिल्ली आकर खुशी हो रही है और इस यात्रा से दोनों देशों के बीच समझ बढ़ेगी। भारत और अफ़गानिस्तान को अपने संपर्क और आदान-प्रदान बढ़ाने चाहिए। हम किसी भी समूह को अपने क्षेत्र का इस्तेमाल दूसरों के खिलाफ नहीं करने देंगे।

प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र महुड़ी जाना हुआ और भी आसान

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने पिलवाई-महुड़ी फोरलेन रोड का किया लोकार्पण

20 करोड़ रुपए के खर्च से साढ़े चार किमी लंबी सड़क को सीमेंट-कंक्रीट फोरलेन में तब्दील किया

दिवाली-काली चौदस के त्योहारों में महुड़ी दर्शनार्थ आने वाले यात्रियों के लिए आवागमन सुगम होगा

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य के सड़क नेटवर्क को और भी मजबूत बनाने के लिए सीमेंट-कंक्रीट रोड निर्माण का सड़क एवं भवन विभाग का दृष्टिकोण

गांधीनगर, 12 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र महुड़ी को पिलवाई से जोड़ने वाली 4.45 किलोमीटर लंबी फोरलेन सीमेंट-कंक्रीट सड़क का लोकार्पण किया। इस सड़क के निर्माण में 20 करोड़ रुपए की लागत आई है।

इस रोड के फोरलेन बनने से महुड़ी तीर्थ क्षेत्र के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर यातायात सुविधाएं मिलेगी, साथ ही समय और ईंधन की बचत भी होगी।

इतना ही नहीं, अहमदाबाद-गांधीनगर से विजापुर को जोड़ने वाली इस मुख्य सड़क के चौड़ीकरण के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या से भी निजात मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा सड़क एवं भवन विभाग को राज्य में सड़क नेटवर्क को मजबूत और टिकाऊ बनाने के लिए दिए गए दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन के तहत विभाग ने सीमेंट-कंक्रीट की सड़कों के निर्माण के जरिए मानसून में बरसाती पानी के चलते सड़कों को होने वाले नुकसान को रोकने का दृष्टिकोण अपनाया है।

तदनुसार, इस महुड़ी-पिलवाई रोड को भी सीमेंट-कंक्रीट से मजबूत और गुणवत्तायुक्त बनाया गया है।

सड़क को फोरलेन में तब्दील करने का यह काम 10 महीने में पूरा हुआ है और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा दिवाली के त्योहारों से पहले इसका लोकार्पण करने से आगामी काली चौदस के अवसर पर विशाल संख्या में महुड़ी मंदिर के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवागमन सुगम होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, समर्पण और सुशासन के 24 वर्ष पूरे होने और 25वें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर 7 से 15 अक्टूबर के दौरान राज्यव्यापी विकास सप्ताह मनाया जा रहा है। इस विकास सप्ताह में पूरे राज्य में अनेक विकास कार्यों के लोकार्पण हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस विकास सप्ताह के अंतर्गत महुड़ी-पिलवाई सड़क के चौड़ीकरण कार्य का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर माणसा के विधायक श्री जे.एस. पटेल सहित कई पदाधिकारी, अग्रणी और गांव के नागरिक उपस्थित रहे।

ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड ने जन्मदिन पर रचा इतिहास, बना दिया अनोखा रिकॉर्ड, राशिद खान के साथ जुड़ा नाम!

ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड ने विशाखापत्तनम में भारत के खिलाफ इतिहास रचने का काम किया। महिला वनडे वर्ल्ड कप के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए एनाबेल सदरलैंड ने एक अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। अपने 24वें जन्मदिन के मौके पर सदरलैंड वनडे क्रिकेट में पांच विकेट लेने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं।

सदरलैंड ने अपने करियर का यह पहला फाइव-विकेट हॉल (5/40) हासिल किया और यह उनकी जिंदगी के एक खास दिन पर आया। पुरुष क्रिकेट में यह कारनामा सिर्फ अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किया था। सदरलैंड ने 9.5 ओवर में केवल 40 रन देकर 5 विकेट लिए और अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने अपने 50 वनडे विकेट भी पूरे किए।

भारतीय पारी को 330 पर ही रोका

मैच में एक समय भारतीय टीम बेहद मजबूत स्थिति में थी। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (80 रन) और प्रतिका रावल (75 रन) ने पहले विकेट के लिए 155 रनों की बड़ी साझेदारी करके भारत के लिए एक विशाल स्कोर की नींव रखी। एक समय भारत का स्कोर 36.2 ओवर में 234/2 था। लेकिन, सदरलैंड ने सोफी मोलिनेक्स (3/75) के साथ मिलकर भारतीय मध्यक्रम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

दोनों ने लगातार विकेट झटके और भारत को 234/2 से 330 रन पर ऑल आउट कर दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर (22), जेमिमा रोड्रिग्स (33) और ऋचा घोष (32) जैसी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन उसे बड़ी पारी में नहीं बदल पाईं, जिसका पूरा श्रेय सदरलैंड की घातक गेंदबाजी को जाता है। वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर अपने जन्मदिन के दिन फाइव-फेर लेना किसी भी खिलाड़ी के लिए सपने जैसा होता है। सदरलैंड अब महिला वर्ल्ड कप में पांच विकेट लेने वाली तीसरी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बन गई हैं।

भोपाल में बैंक मित्रों का प्रदर्शनः बिचौलियों का अंत, कर्मचारी दर्जा की मांगझ अंबेडकर पार्क में हजारों की भीड़

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के अंबेडकर पार्क में आज बैंक मित्रों और आउटसोर्स कर्मचारियों का जोरदार प्रदर्शन हुआ। मध्य प्रदेश बैंक मित्र संघ के बैनर तले हजारों की संख्या में बैंक मित्रों ने अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरकर सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। मुख्य मांग - कर्मचारी का दर्जा, बिचौलियों (कंपनियों) का खात्मा और समान वेतन।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि "सरकार कंपनियों को मोटी रकम देती है, लेकिन हमें मिलती है सिर्फ मजदूरी जैसी तनख्वाह।" बैंकिंग सिस्टम की रीढ़ बताते हुए उन्होंने कहा, "हमारा शोषण कब तक चलेगा?" अगर मांगें न मानी गईं, तो राज्यभर में आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी गई।

यह प्रदर्शन मध्य प्रदेश के 50 हजार से अधिक बैंक मित्रों की लंबे समय से चली आ रही पीड़ा का प्रतीक है, जो ग्रामीण बैंकिंग को मजबूत करने वाले इन 'असली हीरोज' को ठेकेदारों का गुलाम बनाने वाली सरकारी नीतियों पर सवाल खड़े कर रहा है।

यह आंदोलन हाल ही में आउटसोर्स कर्मचारियों के प्रदर्शन का विस्तार है, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा और पंचायत क्षेत्र के बाद अब बैंकिंग सेक्टर के कर्मचारी भी मैदान में हैं। विपक्ष ने इसे "मोहन यादव सरकार की श्रम-विरोधी नीति" बताते हुए समर्थन का ऐलान किया, जबकि सरकार ने "वार्ता का आश्वासन" दिया। लेकिन प्रदर्शनकारियों का आक्रोश ठंडा पड़ने का नाम नहीं ले रहा - क्या बैंक मित्रों को अब भी सिर्फ ठेकेदारों का गुलाम समझा जाएगा?

सुबह से शाम तक का हंगामा

प्रदर्शन सुबह 9 बजे अंबेडकर पार्क में सभा के साथ शुरू हुआ। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रतलाम जैसे जिलों से सैकड़ों वाहनों में भरकर बैंक मित्र पहुंचे। बैंक मित्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप पटेल ने मंच से कहा, "हम ग्रामीण इलाकों में जन-धन खाते खोलते हैं, पेंशन बांटते हैं, लेकिन वेतन 8-10 हजार रुपये मासिक - जो एक दिहाड़ी मजदूर से कम है।" नारे गूंजे - "बिचौलियों का अंत करो!", "कर्मचारी दर्जा दो!"।

दोपहर में मार्च निकाला गया, जिसमें महिलाएं और युवा बैंक मित्र प्रमुख थे। एक बैंक मित्र मीना बाई ने बताया, "हम सुबह 6 बजे से शाम 8 बजे तक गांव-गांव घूमते हैं, लेकिन कंपनियां 50% कटौती कर लेती हैं। सरकार उरउ (कॉमन सर्विस सेंटर) को करोड़ों देती है, लेकिन हमारा हिस्सा मजदूरी।" प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन भारी पुलिस बल तैनात था। शाम को पटेल ने चेतावनी दी, "15 दिनों में मांगें न मानीं, तो राज्यव्यापी हड़ताल। बैंकिंग सेवाएं ठप हो जाएंगी।"

बैंक मित्रों की प्रमुख मांगेंः शोषण के खिलाफ पुकार

बैंक मित्र मध्य प्रदेश में ग्रामीण बैंकिंग का चेहरा हैं - वे 20,000 से अधिक गांवों में बैंकिंग सेवाएं पहुंचाते हैं। लेकिन ठेकेदार कंपनियों के जाल में फंसे हैं। नीचे उनकी मुख्य मांगेंः

क्रमांक,मांग,विवरण

1,कर्मचारी दर्जा,बैंक मित्रों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा; संविलियन और पेंशन।

2,बिचौलियों का खात्मा,कंपनियों/उरउ को हटाकर सीधा सरकारी भुगतान; 50% कटौती बंद।

3,समान वेतन व सुविधाएं,"न्यूनतम 25,000 रुपये मासिक वेतन, DA, PF, ग्रेच्युटी; रेगुलर कर्मचारियों जैसा।"

4,एरियर भुगतान,6-12 महीने का अटका वेतन; हाईकोर्ट आदेशों का पालन।

5,नौकरी सुरक्षा,छंटनी रोक; ट्रेनिंग और प्रमोशन।

6,श्रम कानून पालन,"ओवरटाइम, बीमा, मातृत्व अवकाश; केंद्र के PMJDY नियमों का अनुपालन।"

ये मांगें बैंक मित्र संघ और ऑल इंडिया बैंक मित्र एसोसिएशन की हैं। पटेल ने कहा, "हम बैंकिंग की रीढ़ हैं, लेकिन शोषण का शिकार।"

बैंक मित्रों का लंबा संघर्ष

बैंक मित्र योजना 2014 में शुरू हुई, जब RBI और केंद्र सरकार ने ग्रामीण बैंकिंग के लिए स्थानीय एजेंट नियुक्त किए। मध्य प्रदेश में 50,000 से अधिक बैंक मित्र हैं, जो जन-धन, PMJJBY और अढ जैसी योजनाओं को अमल देते हैं। लेकिन ठेकेदार कंपनियां (जैसे CSC-SPV) वेतन का बड़ा हिस्सा काट लेती हैं।

हाल की घटनाएंः

अगस्त 2025ः इंदौर में 500 बैंक मित्रों ने वेतन वृद्धि पर धरना।

जून 2025ः हाईकोर्ट ने न्यूनतम वेतन 15,000 रुपये का आदेश दिया, लेकिन अमल में देरी।

अप्रैल 2025ः जबलपुर में एरियर भुगतान के लिए मार्च; 100 करोड़ अटका।

फरवरी 2025ः ग्वालियर में महिलाओं ने बिचौलियों के खिलाफ प्रदर्शन। 2024ः केंद्र ने 12,000 रुपये न्यूनतम वेतन तय किया, लेकिन MP में केवल 8,000 औसत।

संगठन का दावाः "सरकार CSC को 1,000 करोड़ देती है, लेकिन बैंक मित्रों को चूना लगता है।" RBI की 2024 रिपोर्ट में भी ग्रामीण एजेंटों के शोषण का जिक्र है।

12वीं पास रवि किशन 500 रु. लेकर मुंबई पहुंचे, आज इतनी संपत्ति के मालिक, कितने बच्चे?

(जीएनएस)।

भोजपुरी सुपरस्टार और गोरखपुर से इखढ सांसद रवि किशन शुक्ला (55) ने 11 अक्टूबर 2025 को 70वें फिल्मफेयर अवार्ड्स में 'लापता लेडीज' के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवार्ड जीता। गुजरात के कंकरिया झील पर एडअ एरिना में भावुक रवि ने कहा, 'महादेव की कृपा, पत्नी, बच्चों और दर्शकों के प्यार से ये सम्मान मिला।

इसे गोरखपुर और देश को समर्पित करता हूं।' मां के दिए 500 रुपये लेकर मुंबई आए रवि आज 43.3 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं। आइए, जानते हैं उनकी सक्सेस स्टोरी, नेट वर्थ और फिल्मी सफर...

मां के 500 रुपये से मुंबई तकः रवि किशन की कहानी

12वीं पास रवि किशन शुक्ला का जन्म 17 जुलाई 1969 को यूपी के जौनपुर जिले में हुआ। पिता श्याम नारायण किसान और मां जदावती देवी गृहणी। मां ने 500 रुपये देकर मुंबई भेजा।

संघर्षः 1992 में 'पीतांबर' से डेब्यू, 5,000 रुपये मिले। छोटे रोल, भोजपुरी सिनेमा में ब्रेक।

राजनीतिः 2019 से गोरखपुर सांसद। 'सांसद रत्न पुरस्कार' 2024। संसद में GST, समोसा प्रकरण पर चर्चा।

एडीआर के मुताबिक, रवि किशन की नेट वर्थ 43.3 करोड़ रुपये।

-आय स्रोतः अभिनयः प्रति फिल्म 50 लाख। भोजपुरी, बॉलीवुड, तेलुगु फिल्में।

सांसद वेतनः 1 लाख/महीना।

ब्रांड्सः विज्ञापन, इवेंट्स।

रियल एस्टेटः 11 प्रॉपर्टी - मुंबई (जोगेश्वरी बंगला, अंधेरी-गोरेगांव फ्लैट्स), पुणे (स्काई विमान अपार्टमेंट), गोरखपुर, जौनपुर।

लक्जरी कारेंः मर्सिडीज-बेंज, इटह सीरीज, जगुआर ऋ-पेस, टोयोटा फॉर्च्यूनर, इनोवा, हार्ले-डेविडसन स्ट्रीट बॉब। 33 साल बाद फिल्मफेयर

- डेब्यूः 'पीतांबर' (1992) - मिथुन चक्रवर्ती के साथ।

- हिट्सः

- तेरे नाम (2003)ः सलमान खान के साथ रामेश्वर का रोल।

- फिर हेरा फेरी (2006)ः छोटे की कॉमिक भूमिका।

- वेलकम टू सज्जनपुर (2008)ः श्याम बेनेगल की फिल्म में कंपाउंडर।

- तनु वेड्स मनु (2011)ः कनपुरिया स्टाइल में जिमी शेरगिल का दोस्त।

- रेस गुर्रम (2014)ः तेलुगु में भ्रष्ट नेता।

- सनकी दरोगा (2018)ः भोजपुरी में निडर पुलिसवाला।

- लापता लेडीज (2023)ः श्याम मनोहर के रोल में फिल्मफेयर।

- पोस्टः '33 साल बाद फिल्मफेयर! महादेव, पत्नी, दर्शकों का आशीर्वाद।'

रवि किशन के परिवार में कौन-कौन?

पत्नीः प्रीति शुक्ला। रवि ने अवार्ड पत्नी को समर्पित किया।

रीवा (एक्ट्रेस), तनिष्क, रीविका, शेनोवा।

500 से 43 करोड़ तक

मां के 500 रुपये से शुरू कर रवि किशन ने 43 करोड़ की संपत्ति बनाई। 'लापता लेडीज' के लिए फिल्मफेयर और सांसद रत्न पुरस्कार उनकी मेहनत का सबूत। परः 'रवि भैया गोरखपुर का गौरव!' आपकी राय? कमेंट्स में....

दिल्ली चोरों का आतंक! जैन मंदिर से 40 लाख का सोने का कलश चोरी, कैसे लगाई सेंध?

(जीएनएस)।

करवा चौथ (10 अक्टूबर 2025) की रात दिल्ली के उत्तर-पूर्वी ज्योति नगर इलाके के एक जैन मंदिर में चोरों ने सेंध लगा दी। मंदिर के शिखर से लगभग 40 लाख रुपये का सोने का कलश चोरी हो गया। चोरी का पूरा माजरा मंदिर के उउळश में कैद हो गया, और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है।

पुलिस ने चोर की तलाश तेज कर दी है। ये घटना 3 सितंबर को लाल किले के पास जैन जुलूस से चोरी हुए 1.5 करोड़ के आभूषणों के महज एक महीने बाद हुई है। आइए, जानते हैं घटना का पूरा विवरण...

चोरी कैसे हुई? करवा चौथ की रात चोर का डर

घटना शुक्रवार-शनिवार (10-11 अक्टूबर) की दरमियानी रात को हुई, जब इलाके के ज्यादातर लोग करवा चौथ के उत्सव में व्यस्त थे। मंदिर के एक कर्मचारी ने शनिवार सुबह शिखर पर कलश गायब देखा। ज्योति नगर पुलिस स्टेशन में मंदिर समिति के अध्यक्ष नीरज जैन (58) ने FIR दर्ज कराई।

चोर का तरीकाः उउळश फुटेज में दिखा कि चोर रात 11:45 बजे मंदिर के बाहर घूम रहा था। फिर इलेक्ट्रिक वायरों का सहारा लेकर छत पर चढ़ा, शिखर तक पहुंचा और कलश उतार लिया। अंधेरे का फायदा उठाकर भागा। एक वीडियो में चोर खंभे से उतरता दिखा, दूसरे में कलश ले जाते हुए।

कलश का विवरणः अष्टधातु (आठ धातुओं का मिश्रण) से बना कलश, जिसमें 200 ग्राम सोना जड़ा। वजन 25-30 किलो, कीमत 35-40 लाख। कई साल पहले शिखर पर स्थापित।

पुलिस की कार्रवाईः टीमें गठित, उउळश से ट्रैकिंग

ज्योति नगर पुलिस ने ऋक्षक्ष दर्ज कर 3 टीमें गठित कीं। DCP (नॉर्थ ईस्ट) ने कहा, 'चोर की पहचान उउळश से हो रही। आसपास के कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही। तकनीकी निगरानी से लोकेशन ट्रैक हो रही। जल्द गिरफ्तार करेंगे।'

सुरक्षा चूकः मंदिर बंद था, लेकिन CCTV चोरी कैद कर लिया। पुलिस ने मंदिर प्रबंधन को सुरक्षा टिप्स दिए।

समुदाय का गुस्साः जैन समाज में आक्रोश। उपाध्यक्ष प्रियांक जैनः 'हम आहत हैं। मंदिर सुरक्षित रहें। रळड ने आश्वासन दिया।' पूर्व अध्यक्ष राजेश जैनः 'DCP, ACP, SHO निगरानी में। कलश आध्यात्मिक महत्व का।'

लाल किले चोरी की यादः एक महीने में दूसरी घटना

3 सितंबर को लाल किले के पास जैन जुलूस में 1.5 करोड़ के आभूषण चोरी हुए। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के उद्घाटन में 'झारी', 'गुड़' और 'बरियाल' गायब। 760 ग्राम सोना, हीरे-जवाहरात। चोर जैन पुजारी बनकर घुसा। पुलिस ने लीड मिली, लेकिन आरोपी फरार। जैन समुदाय ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग की।

जैन आस्था पर सेंध, पुलिस अलर्ट

दिल्ली के जैन मंदिरों में चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। ज्योति नगर केस में उउळश से चोर की पहचान जल्द। जैन समाज ने मंदिर सुरक्षा पर चिंता जताई। क्या होगा अगला कदम? अपडेट्स के लिए बने रहें। आपकी राय? कमेंट्स में...

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

'आज रात ही एक फतवा जारी कर दें, ताकि कोई लड़की', ममता बनर्जी के बयान पर भड़के दुगार्पुर पीड़िता के पिता

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर में मेडिकल छात्रा के साथ हुए गैंगरेप की घटना ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर हिरासत में भेज दिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना पर चिंता जताने के साथ ही लड़कियों को रात में बाहर न निकलने की सलाह भी दी। इस बयान पर पीड़िता के पिता ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर गहरा गुस्सा और निराशा जताई।

पिता ने नाराजगी जताते हुए कहा "ममता बनर्जी ने बहुत अच्छी बात कही है। हम उनसे कहेंगे कि आज रात ही एक फतवा जारी कर दें, ताकि कल सुबह से कोई भी लड़की घर से बाहर न निकल पाए। इससे कोई घटना ही नहीं होगी।"

उन्होंने ममता बनर्जी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि वे राज्य में कानून-व्यवस्था को ठीक नहीं कर पा रही हैं, तो ऐसे बयान दे रही हैं, जिससे उल्टा पीड़िता पर ही दोष मढ़ा जा रहा है। पिता ने अपनी बेटी की स्थिति बताते हुए कहा, "मेरी बेटी दर्द में है। वह ठीक से चल भी नहीं पा रही और बिस्तर से उठ भी नहीं सकती। मुझे

उसकी सुरक्षा की चिंता है। वे उसे किसी भी वक्त मार सकते हैं, इसलिए हम उसे ओडिशा ले जाना चाहते हैं।"

पीड़ित छात्रा के पिता, जो ओडिशा के बालासोर जिले के जलेश्वर के रहने वाले हैं, ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अपनी बेटी को ओडिशा वापस लाने की योजना बताई। उन्होंने कहा, "मेरा भरोसा उठ गया है। मुझे यहां उसकी जान का डर है। ओडिशा के मुख्यमंत्री, डीजी, एसपी और कलेक्टर हमारी बहुत मदद कर रहे हैं। मैंने अनुरोध किया है कि हमें उसे घर ले जाने दिया जाए ताकि वह ओडिशा में अपनी पढ़ाई जारी रख सके।"

पिता बोले- बेटी को भुवनेश्वर शिफ्ट किया जाए

उन्होंने कहा "हमारा विश्वास उठ गया है। हम नहीं चाहते कि वह बंगाल में रहे, वह अपनी शिक्षा भी ओडिशा में ही पूरी करेगी।" पीड़िता के पिता ने ओडिशा सरकार से अपील की है कि उनकी बेटी की जान को खतरा है, इसलिए उसे इलाज के लिए बंगाल से भुवनेश्वर शिफ्ट किया जाए। फिलहाल, पीड़िता का इलाज दुगार्पुर के एक अस्पताल में चल रहा है।

डरउह दुगार्पुर टीम भेजकर जांच करवाएगा

ओडिशा राज्य महिला आयोग (OSCW) ने रविवार को कहा कि वह पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर में एक टीम भेजेगा। यह टीम 23 वर्षीय उड़िया मेडिकल छात्रा के स्वास्थ्य और सुरक्षा की जांच करेगी, जिसके साथ शुक्रवार शाम को उसके निजी मेडिकल कॉलेज के पास कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार हुआ था। इस घटना से दोनों राज्यों के बीच तीखी राजनीतिक तकरार शुरू हो गई है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम पहल, अब साइकिल लेकर जा सकेंगे मुंबई मेट्रो में

(जीएनएस)।

मुंबई मेट्रो ने हाल ही में एक नई और पर्यावरण के अनुकूल पहल की घोषणा की है। पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए यात्रियों को बड़ी सुविधा दी गई है। अब यात्री अपनी साइकिल लेकर मेट्रो में यात्रा कर सकते हैं। यह सुविधा शहर में हरित और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। मेट्रो अधिकारियों का कहना है कि इस कदम से निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी।

इस पहल के तहत, यात्री अपने साइकिल को निर्धारित स्थानों पर सुरक्षित तरीके से मेट्रो डिब्बों में ले जा सकते हैं। इससे न केवल यात्रियों को यात्रा में अधिक लचीलापन मिलेगा, बल्कि पर्यावरणीय लाभ भी होंगे। कार्बन उत्सर्जन में कमी और ट्रैफिक जाम को कम करने के दृष्टिकोण से यह कदम महत्वपूर्ण साबित होगा।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम

- विशेषज्ञों का मानना है कि मुंबई जैसे बड़े शहर में इस तरह की पहल से लोगों की परिवहन आदतों में सकारात्मक बदलाव आएगा।
- विदेशों में यात्रियों को मेट्रो में साइकिल ले जाने की अनुमति होती है। विशेषज्ञों की राय है कि यह पहल न सिर्फ पर्यावरण के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देती है।
- लोग कम दूरी की यात्रा साइकिल के माध्यम से कर सकते हैं और लंबी दूरी के लिए मेट्रो का उपयोग कर सकते हैं।

मेट्रो में साइकिल ले जाने के लिए होंगे कुछ नियम

हालांकि, मेट्रो अधिकारियों ने यह स्पष्ट किया है कि साइकिल लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए कुछ नियम और समय सीमाएं लागू होंगी। दूसरे यात्रियों को असुविधा न हो इसका ध्यान रखा जा रहा है। अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस नई सुविधा का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें। यह पहल मुंबई मेट्रो को अन्य महानगरों में पर्यावरणीय जागरूकता के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करती है। इससे यह संदेश जाता है कि सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से हरित और टिकाऊ भविष्य की ओर कदम बढ़ाया जा सकता है।

भोपाल में बैंक मित्रों की 'महाक्रांति'- संघ महामंत्री और जिला अध्यक्ष नवरंग पटेल ने किया बड़ा खुलासा

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के अंबेडकर पार्क में आज 'महाक्रांति रैली' के तहत हजारों बैंक मित्रों और आउटसोर्स कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश बैंक मित्र संघ के नेतृत्व में यह आंदोलन बिचौलियों (कंपनियों) की प्रथा को समाप्त करने, कर्मचारी दर्जा देने और सामाजिक सुरक्षा लाभों की मांग पर केंद्रित रहा।

कटनी जिले के महामंत्री नारायण प्रसाद तिवारी ने वन इंडिया हिंदी संवाददाता एलएन मालवीय को बताया, "कंपनी प्रथा - जो बिजोलिया प्रथा जैसी है - को तुरंत समाप्त किया जाए। इससे ही आर्थिक सुधार होगा, पेंशन, बीमा और सामाजिक सुरक्षा मिलेगी।"

वहीं, उमरिया जिला अध्यक्ष नवरंग पटेल ने कहा, "कई सालों से काम कर रहे, लेकिन कर्मचारी पहचान नहीं मिली। जीवन आधा खत्म हो गया, बीमा नहीं, पेमेंट समय पर नहीं। हमारा 70% पैसा कंपनी को चला जाता है। बैंक सीधे सैलरी क्यों नहीं देती?" यह प्रदर्शन मध्य प्रदेश के 50,000 से अधिक बैंक मित्रों की लंबे समय से चली आ रही पीड़ा का प्रतीक है, जो ग्रामीण बैंकिंग को मजबूत करने वाले इन 'असली हीरोज' को ठेकेदारों का गुलाम बनाने वाली सरकारी नीतियों पर सवाल खड़े कर रहा है।

अगर मांगें न मानी गईं, तो राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई।

यह आंदोलन आउटसोर्स कर्मचारियों की 'हल्ला बोल' रैली का हिस्सा है, जिसमें बैंक मित्र, पंचायत चौकीदार, पंप ऑपरेटर और अंशकालीन भृत्य जैसे 2.75 लाख

कर्मचारी शामिल हैं। विपक्ष ने इसे "मोहन यादव सरकार की श्रम-विरोधी नीति" बताते हुए समर्थन का ऐलान किया, जबकि सरकार ने वार्ता का आश्वासन दिया। लेकिन नेताओं का आक्रोश ठंडा पड़ने का नाम नहीं ले रहा - क्या बैंक मित्रों को अब भी सिर्फ ठेकेदारों का गुलाम समझा जाएगा?

सुबह से शाम तक का हंगामा

प्रदर्शन सुबह 9 बजे अंबेडकर पार्क में सभा के साथ शुरू हुआ। कटनी, उमरिया, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और सागर जैसे जिलों से सैकड़ों बसों में भरकर बैंक मित्र पहुंचे। मध्य प्रदेश बैंक मित्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप पटेल ने मंच से कहा, "हम ग्रामीण इलाकों में जन-धन खाते खोलते हैं, पेंशन बांटते हैं, लेकिन वेतन 8-10 हजार रुपये मासिक - जो दिहाड़ी मजदूर से कम है।" नारे गूंजे - "बिचौलियों का अंत करो!", "कर्मचारी दर्जा दो!"।

दोपहर में मार्च निकाला गया, जिसमें महिलाएं और युवा प्रमुख थे। नारायण प्रसाद तिवारी ने कहा, "बिजोलिया प्रथा जैसी कंपनी सिस्टम से हमारा शोषण हो रहा। सरकार इसे समाप्त करे, तभी पेंशन-बीमा जैसे लाभ मिलेंगे।" उमरिया के नवरंग पटेल ने जोड़ा, "हमने जीवन आधा लगा दिया, लेकिन बीमा नहीं, पेमेंट डिले। 70% हमारा पैसा कंपनी को - बैंक सीधे क्यों नहीं देती?" प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन भारी पुलिस बल तैनात था। शाम को पटेल ने चेतावनी दी, "15 दिनों में मांगें न मानीं, तो राज्यव्यापी हड़ताल। बैंकिंग सेवाएं ठप हो जाएंगी।"

बैंक मित्रों की प्रमुख मांगें: शोषण के खिलाफ पुकार

बैंक मित्र ग्रामीण बैंकिंग का चेहरा हैं - वे 20,000 से अधिक गांवों में सेवाएं पहुंचाते हैं। लेकिन ठेकेदार कंपनियों (जैसे CSC-SPV) के जाल में फंसे हैं। नीचे उनकी मुख्य मांगें:

ये मांगें बैंक मित्र संघ की हैं। तिवारी ने कहा, "इनसे ही आर्थिक सुधार होगा।" बैंक मित्र योजना 2014 में शुरू हुई, लेकिन मध्य प्रदेश में ठेकेदारी ने शोषण बढ़ाया। 50,000 से अधिक बैंक मित्र प्रभावित हैं।

हाल की घटनाएं:

अगस्त 2025: इंदौर में वेतन वृद्धि पर धरना।

जून 2025: हाईकोर्ट ने 15,000 न्यूनतम वेतन का आदेश, लेकिन अमल में देरी।

अप्रैल 2025: जबलपुर में एरियर के लिए मार्च; 100 करोड़ अटका।

फरवरी 2025: ग्वालियर में महिलाओं का प्रदर्शन।

अक्टूबर 2025: भोपाल में महाक्रांति रैली।

संगठन का दावा: "सरकार CSC को करोड़ों देती, लेकिन हम चूना लगते।"

कांग्रेस ने समर्थन किया। जीतू पटवारी ने कहा, "बैंक मित्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी। ठेकेदारी भ्रष्टाचार बढ़ाती। हम आंदोलन में शामिल।" कमलनाथ ने ट्वीट किया, "शोषण बंद।" BJP ने "व्यक्तिगत मांग" बताया। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा, "बैठक बुलाएंगे।" लेकिन पटेल ने तंज: "मीटिंग तो हर महीने, एक्शन कहां

कांग्रेस के बैन लगाने के प्रस्ताव पर भाजपा हुई आगबबूला, दी चेतावनी- 'आरएसएस को छूते हैं तो हम दिखा देंगे क्या हैं'

(जीएनएस)।

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के मैदानों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है। इसके अलावा, उन्होंने सार्वजनिक पार्कों और मुजराई (धार्मिक ट्रस्ट द्वारा संचालित) मंदिरों में भी आरएसएस के आयोजनों पर रोक लगाने की अपील की है।

कांग्रेस पार्टी की सरकार के मंत्री प्रियांक खड़गे के इस प्रस्ताव पर भापजा भड़क उठी हे। भाजपा नेताओं ने इस प्रस्ताव की घोर निंदा करते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा सीएम सिद्धारमैया को लिखे पत्र पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए जमकर लताड़ लगाई है।

प्रहलाद जोशी ने कहा कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि नेहरू, इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी जैसे पूर्व कांग्रेस अध्यक्षों ने भी कोशिश की थी, लेकिन वे अपने कार्यों का बचाव करने में असमर्थ रहे।

RSS गुटबाजी और विभाजन से मुक्त है

जोशी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रशंसा करते हुए कहा, "मेरा मानना है कि आरएसएस पूरी दुनिया में एकमात्र ऐसा संगठन है जो गुटबाजी और विभाजन से मुक्त है। यह इस स्तर तक बढ़ गया है कि कुछ स्थानों पर प्रवेश को प्रतिबंधित करने से बहुत कुछ नहीं बदलेगा।"

पीएम से लेकर सीएम तक आरएसएस के सक्रिय सदस्य हैं

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अधिकांश राज्यों में मंत्री, विधायक और सांसद इसी विचारधारा के हैं। जोशी ने आगे कहा, "मंत्री से लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक, कई

लोग आरएसएस के सक्रिय सदस्य हैं।"

कांग्रेस मुस्लिम लीग के प्रति सहानुभूति रखती है

कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए जोशी ने कहा कि कांग्रेस नेता मुस्लिम लीग के प्रति सहानुभूति रखते हैं और पीएफआई तथा एसएफआई का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, "वे राष्ट्रवादी ताकतों का विरोध करते हैं क्योंकि कांग्रेस कभी भी राष्ट्रवादी विचारधारा में विश्वास नहीं करती है।"

कांग्रेस के मूर्ख सदस्य आरएसएस के बारे में नहीं जानते

वहीं कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी विधायक आर. अशोक ने कहा, "मुझे लगता है कि कांग्रेस के मूर्ख सदस्य आरएसएस के बारे में नहीं जानते। नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी तक, सभी ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की। कुछ नहीं हुआ। अब, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल और हर कोई आरएसएस का सदस्य है। कांग्रेस के लोग कहां हैं? उनके पास कितने विधायक और सांसद हैं? कुछ भी नहीं। वे हर जगह शून्य हैं। मुझे लगता है कि यह बयान केवल मीडिया के उद्देश्य के लिए है। वे कुछ नहीं कर सकते। वे आरएसएस को छू भी नहीं सकते। अगर वे छूते हैं, तो हम उन्हें दिखा देंगे कि आरएसएस क्या है..."

प्रियांक खड़गे ने सरकार को क्या लिखा?

चार अक्टूबर को लिखे इस पत्र में प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया कि आरएसएस सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक पार्कों में अपनी शाखाएं चला रहा है। इन शाखाओं में नारे लगाए जाते हैं, और बच्चों व युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह पत्र रविवार को मीडिया के साथ साझा किया।

आरएसएस की विचारधारा पर उठाया सवाल?

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे ने कहा कि आरएसएस की विचारधारा भारत की एकता और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा, "जब समाज में नफरत फैलाने वाली विभाजनकारी ताकतें सिर उठाती हैं, तो हमारा संविधान, जो ईमानदारी, समानता और एकता के सिद्धांतों पर आधारित है, ऐसी ताकतों को रोकने और देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की रक्षा करने का अधिकार देता है।"

अनुमति के बिना लाठी लेकर आरएसएस आक्रामक प्रदर्शन कर रही

प्रियांक ने यह भी आरोप लगाया कि अनुमति के बिना लाठी लेकर आक्रामक प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जो बच्चों और युवाओं पर मानसिक रूप से बुरा असर डालते हैं। मंत्री ने सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा, "देश के बच्चों, युवाओं, जनता और पूरे समाज के हित में मैं विनम्र आग्रह करता हूं कि आरएसएस की ओर से किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों, चाहे वह शाखा या बैठक के नाम पर हों, पर प्रतिबंध लगाया जाए।"

स्कूलों, पार्कों में आरएसएस के कार्यक्रमों पर बैन लगाने की मांग

खरगे ने आगे कहा कि यह प्रतिबंध सरकारी स्कूलों, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, सार्वजनिक खेल के मैदानों, पार्कों, मुजराई विभाग के मंदिरों, पुरातत्व विभाग की देखरेख वाली जगहों और अन्य सभी सरकारी परिसरों पर लागू होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान नागरिकों और राज्य दोनों को यह अधिकार देता है कि वे समाज में विभाजन फैलाने वाली ताकतों के खिलाफ कार्रवाई करें और देश के धर्मनिरपेक्ष व लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें।

हार्ट फेल या किडनी डैमेज, सिंगर गुरमीत मान की मौत का क्या राज?

(जीएनएस)।

पंजाबी लोक संगीत के 'पेंडू अखाड़ों के किंग' गुरमीत मान (57) का 10 अक्टूबर 2025 को चंडीगढ़ के परमार अस्पताल में निधन हो गया। हार्ट प्रॉब्लम और किडनी डैमेज से जूझ रहे गुरमीत ने 3-4 साल पहले स्टेंटिंग कराई थी, लेकिन एक हफ्ते पहले बिगड़ी तबीयत ने उन्हें हमेशा के लिए छीन लिया।

उनकी मौत ने पंजाबी इंडस्ट्री को झकझोर दिया, खासकर राजवीर जवंदा और वरिंदर सिंह घुमन के निधन के बाद। लेकिन गुरमीत की विरासत उनके गीतों में जिंदा रहेगी। आइए, जानते हैं उनकी फैमिली - पत्नी कौन, बच्चे क्या करते हैं, और नेट वर्थ का अनुमान...

सिंगर गुरमीत सिंह मान के साथ शो करने वालीं उनकी को-स्टार।

गुरमीत मान की पत्नी का नाम सार्वजनिक रूप से ज्यादा उजागर नहीं हुआ, लेकिन वे पंजाब पुलिस में सब-इंस्पेक्टर (रक) रह चुकी हैं और अब रिटायर्ड हैं। गुरमीत की तरह ही पत्नी

भी पुलिस सेवा में रहीं, और दोनों ने मिलकर परिवार संभाला। गुरमीत ने कभी इंटरव्यू में पत्नी का नाम नहीं लिया, लेकिन दोस्तों के मुताबिक, 'पत्नी ने हमेशा गुरमीत का साथ दिया, चाहे स्टेज हो या पुलिस ड्यूटी।' निधन की खबर पर पत्नी टूट गईं, लेकिन उन्होंने परिवार को संभाला।

गुरमीत मान के दो बच्चे हैं, जो कनाडा में बस चुके हैं और इंडस्ट्री में नाम कमा रहे हैं:-

बेटा गौरव मान : कनाडा में बसा हुआ, म्यूजिक प्रोडक्शन और बिजनेस में सक्रिय। गुरमीत के गीतों को इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर ले जाने में मदद करता।

बेटी गुनबी मान : हिंदी नाटकों और टॉलीवुड में काम। गायन भी करती हैं। गुरमीत की तरह ही संगीत में रुचि।

पंजाब पुलिस से लोक गायक तक

रोपड़ जिले के रहने वाले गुरमीत सिंह मान (जन्म: 1968) ने पंजाब पुलिस में अरकके पद पर सेवा की। ड्यूटी के साथ-साथ लोक गीत गाते रहे। 'सोहरेयां दा पिंड' और 'चंडीगढ़ इन रूम' से फेमस। प्रीत पायल के साथ जोड़ी सुपरहिट।

हिट गाने : 'बोलियां', 'बोली मैं पवन', 'काके दियां पुरियां', 'लव लेटर', 'बादल दे नीले कार्ड वांगूं तेरी फोटो सांभ के रखांगा'।

कैरियर: 1990 के दशक से लोक गीत, कॉमेडी, प्रोडक्शन। पंजाबी संस्कृति को जीवंत रखा।

नेट वर्थ : अनुमानित 28.1 मिलियन डॉलर (कुछ स्रोत 2.74 मिलियन), लेकिन स्पष्ट नहीं। स्टेज शोज, एल्बम्स से कमाई।

हार्ट प्रॉब्लम और किडनी डैमेज

गुरमीत को 3-4 साल पहले स्टेंटिंग हुई। एक हफ्ते पहले तबीयत बिगड़ी। चंडीगढ़ के सेक्टर 32 अस्पताल से रोपड़ के परमार अस्पताल शिफ्ट। किडनी डैमेज से मौत। दोस्त लखवीर सिंह- 'गुरमीत नेक इंसान थे। स्टेज के किंग।'

गुरदासपुर के हरदोवाल गांव में

अंतिम संस्कार गुरदासपुर जिले के पैतृक गांव हरदोवाल में हुआ। गुरमीत मान की मौत ने रोपड़ को अनाथ कर दिया। राजवीर जवंदा और वरिंदर घुमन के बाद तीसरा झटका। उनकी गीतों की विरासत अमर रहेगी।

कोतवाली पुलिस ने दबोचा एक तस्कर : नशीला पाउडर बरामद

मथुरा (जीएनएस)।थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित हाईवे किनारे कच्चे रास्ते से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र और एसआई मुश्ताक मेंहदी पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि हाईवे किनारे कच्चे रास्ते पर पोखर के पास एक मादक पदार्थ तस्कर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र और एसआई मुश्ताक मेंहदी पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे तस्कर विशाल पुत्र अमर सिंह निवासी बड़ी सराय थाना सासनी गेट जिला अलीगढ़ हाल निवासी जनकपुरी बीएसए इंजीनीरिंग कॉलेज रोड़ थाना कोतवाली, मथुरा को घेरकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 120 ग्राम नशीला पाउडर एल्प्राजोलम बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

चुनाव आयोग ने ज़ुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन कार्यक्रम की घोषणा की

(जीएनएस)।

भारत के चुनाव आयोग ने हैदराबाद जिले में 61-जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया है। चुनाव आयोग के अनुसार, यह घोषणा सभी पात्र नागरिकों और राजनीतिक हितधारकों को एक सुचारु और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण तिथियों और प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों से अवगत कराती है।

अधिसूचना के मुताबिक, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अक्टूबर को होगी, जबकि उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर निर्धारित की गई है। मतदान 11 नवंबर को होगा और मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी। पूरी चुनावी प्रक्रिया 16 नवंबर तक समाप्त होने की उम्मीद है।

ळी'ल्लॅल्लं ु८स्त्रङ्क''

रिटर्निंग ऑफिसर पी साई राम ने उम्मीदवारों के लिए विस्तृत निर्देश दिए हैं। नामांकन फॉर्म (फॉर्म 2बी) शैकपेट के तहसीलदार कार्यालय में जमा किए जाने चाहिए, साथ ही एक नोटरीकृत हलफनामा (फॉर्म 26) भी संलग्न करना होगा। उम्मीदवारों को 2७2.5 सेमी की रंगीन तस्वीर जमा करनी होगी और आवश्यक सुरक्षा जमा राशि का भुगतान करना होगा - सामान्य उम्मीदवारों के लिए ₹10,000 और एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए जाति प्रमाण पत्र के साथ ₹5,000। उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 25 वर्ष होनी चाहिए और जांच की तारीख से पहले शपथ ग्रहण पूरा करना अनिवार्य है।

मान्यता प्राप्त दलों और अन्य उम्मीदवारों के लिए प्रस्तावक संबंधी दिशानिर्देश अलग-अलग हैं। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल, जिनमें अअढ, इरढ, इखढ, उढक(ट), क्ठउ और राष्ट्रवादी पीपुल्स पार्टी शामिल हैं, साथ ही तेलंगाना के राज्य दल जैसे अक्टक्ट, इफ्र, ळउ्ढ और रफ्ळढ के लिए 30 सितंबर तक की मतदाता सूची से एक प्रस्तावक की आवश्यकता होगी।

अन्य उम्मीदवारों के लिए इसी सूची से दस प्रस्तावक चाहिए। यदि उम्मीदवार किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं, तो उन्हें संबंधित ईआरओ से एक चुनावी उद्धरण जमा करना होगा। फॉर्म ए और बी को नामांकन के अंतिम दिन दोपहर 3:00 बजे तक जमा करना आवश्यक है।

रिटर्निंग ऑफिसर ने स्पष्ट किया कि 19 अक्टूबर (रविवार) और 20 अक्टूबर (दीपावली) जैसे सार्वजनिक अवकाशों पर नामांकन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इससे पहले 8 अक्टूबर को, जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के संबंध में आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सख्त निर्देश जारी किए थे।

नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कुल 1,620 विरूपण के मामले (जिसमें राजनीतिक दलों के पोस्टर, बैनर और दीवार लेखन शामिल हैं) दर्ज किए गए हैं। इनमें से 1,097 मामले सार्वजनिक संपत्ति पर और 523 निजी संपत्ति पर थे। सभी चिह्नित उल्लंघनों को प्रवर्तन अभियान के तहत तुरंत हटा दिया गया है।

रिलीज के मुताबिक, डीईओ आरवी कर्णन ने एमसीसी से संबंधित सभी शिकायतों पर निरंतर सतर्कता और समय पर कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया है कि 1950 चुनाव हेल्पलाइन और सी-विजिल मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से 24७7 शिकायत निगरानी सुनिश्चित की जाए। त्वरित प्रतिक्रिया और सख्त प्रवर्तन के लिए पूरे निर्वाचन क्षेत्र में समर्पित फ्लाइंग स्क्वाड और स्टैटिक सर्विलांस टीमें तैनात की गई हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने दोहराया कि सार्वजनिक और निजी परिसरों पर किसी भी प्रकार के राजनीतिक प्रचार, अभियान सामग्री या दीवार लेखन को एमसीसी दिशानिर्देशों का पालन करना होगा और केवल चुनाव आयोग से उचित पूर्व अनुमोदन के साथ ही प्रदर्शित किया जा सकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी और एमसीसी नोडल अधिकारी की देखरेख में चुनाव दल एक पारदर्शी उपचुनाव सुनिश्चित करने के लिए अनुपालन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने में लगे हुए हैं। इससे पहले 6 अक्टूबर को, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने घोषणा की थी कि सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आठ विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव 11 नवंबर को होंगे। इन उपचुनावों के लिए मतों की गिनती 14 नवंबर को निर्धारित की गई है। ये उपचुनाव इस्तीफे, मृत्यु या अयोग्यता जैसे विभिन्न कारणों से रिक्त हुई सीटों को भरने के लिए आयोजित किए जा रहे हैं।

'गर्ल्स को रात में बाहर न निकलने दें' सीएम ममता के बयान पर भाजपा बोली- 'बंगाल मिनी तालिबान'

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर में एक मेडिकल कॉलेज के पास 23 वर्षीय एमबीबीएस छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना ने राज्य को झकझोर दिया है। इस मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार (12 अक्टूबर 2025) को चौंकाने वाला बयान दिया - 'रात में लड़कियों को बाहर नहीं निकलने देना चाहिए। अपनी सुरक्षा खुद भी करनी होगी।' उन्होंने घटना को 'स्तब्धकारी' बताते हुए कहा कि निजी कॉलेजों को कैंपस के आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

लेकिन उनका बयान 'पीड़िता को दोष देने वाला' बताकर विवादों में घिर गया। इखढ ने हमला बोला, 'ममता ने महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद पर डाल दी।' आइए, जानते हैं घटना का पूरा विवरण, ममता का बयान और राजनीतिक हंगामा...

शुक्रवार (10 अक्टूबर) रात को दुगार्पुर के क्द सिटी मेडिकल कॉलेज के बाहर एक सुनसान इलाके में ओडिशा के जेलेश्वर की रहने वाली दूसरी वर्ष की छात्रा (23) के साथ 4-5 लोगों ने गैंगरेप किया। छात्रा कॉलेज कैंपस से बाहर दोस्त के साथ घूम रही थी, जब अपहरण कर जंगल ले जाया गया।

पीड़िता के पिता ने अठक को बताया, 'बेटी दर्द में है, चल नहीं सकती। बंगाल में असुरक्षित महसूस हो रहा। उसे ओडिशा ले जाएंगे, वहां पढ़ाई जारी रखेगी।'

पुलिस कार्रवाईः न्यू टाउनशिप थाने में FIR दर्ज। मामले में तीन आरोपी एसके रियाजुद्दीन, एसके फिरदौस और अप्पू गिरफ्तार। चौथा संदिग्ध हिरासत में है।

ममता ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'ये स्तब्धकारी घटना है। रात में लड़कियों को बाहर नहीं निकलने देना चाहिए। अपनी सुरक्षा भी करनी होगी। निजी कॉलेज कैंपस के आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करें। सरकार को क्यों घसीटें? ओडिशा के पुरी बीच गैंगरेप में क्या कार्रवाई हुई?'

ममता का दावाः 'तीन गिरफ्तार, बाकी तलाश में। कोई बख्शा नहीं जाएगा।'

विपक्ष का हमलाः इखढ क्ळ हेड अमित मालवीय ने कहा- 'ममता ने पीड़िता को दोष दिया। बंगाल रेपिस्टों का सुरक्षित ठिकाना।' यूनियन मंत्री सुकांता मजुमदार ने कहा- 'ममता का 'रात में न निकलें' बयान महिलाओं के लिए खतरा।'

ओडिशा CM: मोहन चरण मजही ने ममता से 'उदाहरणीय कार्रवाई' की मांग की।

'यहां तालिबान जैसा शासन चल रहा है'

बीजेपी नेता लॉकेट चटर्जी ने ममता बनर्जी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस इमारत पर 'आपातकाल' का लेबल लगा है, वह पूरी तरह बंद पड़ी है जबकि उसे 24 घंटे खुला रहना चाहिए। चटर्जी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस अंदर मौजूद है, जबकि डॉक्टरों को बाहर रखा गया है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर पुलिस अंदर क्यों है और डॉक्टर बाहर क्यों?

लॉकेट चटर्जी ने कहा कि आज पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का ऐसा शासन चल रहा है जो लोकतंत्र से ज्यादा तालिबान या पाकिस्तान जैसा लगता है। उन्होंने ममता बनर्जी के उस बयान पर भी तंज कसा जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि महिलाएं रात में जंगल में न जाएं क्योंकि जानवर हमला कर सकते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह रात में गईं और उन पर हमला हुआ, लेकिन सरकार चुप रही। उन्होंने कहा कि आज एक महिला मुख्यमंत्री खुद महिलाओं को डरने की सलाह दे रही हैं, यह शर्म की बात है। लॉकेट चटर्जी ने दावा किया कि बंगाल की महिलाएं अब चुप नहीं रहेंगी और ममता सरकार को इसका जवाब देंगी। उन्होंने कहा कि राज्य की मौजूदा स्थिति देखकर साफ है कि लोगों के भीतर नाराजगी बढ़ रही है और महिलाएं इस अन्याय का विरोध करेंगी।

घटना का बैकग्राउंडः RG कर के बाद दूसरा केस

ये घटना RG कर मेडिकल कॉलेज रेप-मर्डर (2024) के एक साल बाद हुई। दुगार्पुर में छात्रा का दोस्त भी जांच के दायरे में। पिता ने कहा- 'विश्वास उठ गया। बेटी ओडिशा लौटेगी।'

ममता का बयान, विवाद की आग

ममता का 'रात में न निकलें' बयान महिलाओं की सुरक्षा पर बहस छेड़ दिया।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया किसना के नए शोरूम का उद्घाटन

लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 12 अक्टूबर 2025ः भारत की अग्रणी डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी ब्रांड किसना ने आज उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर में अपने नए एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक और हरी कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री घनश्याम ढोलकिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। त्योहारों के इस खास मौके पर किसना अपने ग्राहकों के लिए शानदार ऑफर्स लेकर आया है — डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 75 प्रतिशत तक की छूट, गोल्ड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 25 प्रतिशत तक की छूट, और इसके साथ आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट व डेबिट कार्ड पर 5 प्रतिशत का अतिरिक्त इंस्टेंट डिस्काउंट। इसके अलावा, ब्रांड ने एक खास ह्वशॉप एंड विनह्ल स्कीम भी शुरू की है, जिसके तहत ग्राहक हीरे और सोने के आभूषण की खरीद पर 1000+ स्कूटर और 200+ कारें जीतने का मौका पा सकते हैं। हरी कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री घनश्याम ढोलकिया ने कहा, ह्ललखनऊ अपनी समृद्ध संस्कृति और कला के प्रति प्रेम के लिए जाना जाता है। उत्तर प्रदेश में हमारी बढ़ती उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि ग्राहकों ने किसना पर जो भरोसा और प्यार दिखाया है, वह हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। हमारा विजन ह्वहर घर किसनाह्ल है — ताकि देश की हर महिला तक सुंदर और किफायती डायमंड ज्वेलरी पहुंच सके ह्व श्री पराग शाह, निदेशक, किसना ने कहा, ह्ललखनऊ में हमारे नए शोरूम की शुरूआत किसना की विकास यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। हम ग्राहकों को भरोसे, गुणवत्ता और उत्कृष्ट डिजाइन पर आधारित एक शानदार शॉपिंग अनुभव देना चाहते हैं, जिससे उनके त्योहार और भी यादगार बनें ह्व श्री सुधीर और प्रतीक राय, फ्रेंचाइज पार्टनर्स, किसना ने कहा, ह्लकिसना के साथ जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है। इस शोरूम के माध्यम से हम ग्राहकों को विश्वस्तरीय ज्वेलरी अनुभव देना चाहते हैं — जो पारदर्शिता, उत्कृष्टता और खुशियों से भरा हो ह्व समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए, किसना ने उद्घाटन के अवसर पर ब्लड डोनेशन कैंप, भोजन वितरण और वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के बारे में 2005 में लॉन्च हुआ किसना ब्रांड, हरी कृष्णा ग्रुप का प्रमुख डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी ब्रांड है। किसना के आज देशभर में 28 राज्यों में 1,500 से अधिक डिस्ट्रीब्यूशन पॉइंट्स और 100 से ज्यादा एक्सक्लूसिव शोरूम्स हैं। कंपनी डायमंड्स की एथिकल सोर्सिंग करती है — यानी खदान से लेकर बाजार तक हर कदम पर पारदर्शिता रखती है। किसना की रेंज में रिंग्स, ईयररिंग्स, पेंडेंट्स, मंगलसूत्र, नेकलेस, बैंगल्स, ब्रेसलेट्स, नोज पिन्स और पुरुषों की ज्वेलरी शामिल है, जो 14डळ और 18डळ गोल्ड में उपलब्ध है। सभी प्रोडक्ट्स क्क्र सर्टिफाइड और इक्र हॉलमार्क्ड हैं। कंपनी डायमंड ज्वेलरी पर 90% बायबैक और 95% एक्सचेंज वैल्यू (मेकिंग चार्ज सहित) भी देती है।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एवं वर्कर्स ऑर्गेनाइजेशन का "प्रथम संयुक्त अधिवेशन" सम्पन्न

गांव के प्रत्येक घर तक बैंकिंग सुविधाओं को पहुंचाएं : बृजेश पाठक

लखनऊ।आज लखनऊ के निराला नगर स्थित माधव सभागार में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एवं वर्कर्स ऑर्गेनाइजेशन और भारतीय मजदूर संघ द्वारा आयोजित "प्रथम संयुक्त अधिवेशन" का आयोजन किया गया।

अधिवेशन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्र प्रचारक पूर्वी उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अनिल जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एवं वर्क्स ऑर्गेनाइजेशन और भारतीय मजदूर संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की जनता विशेष कर किसानों, खेतिहर मजदूरों को उचित बैंकिंग सुविधा देना है, सरकार का भी यही प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्र में बैंकिंग सुविधा आसानी से सुलभ हो।

कार्यक्रम को को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि ग्रामीण बैंक प्रदेश की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है आज हम ग्रामीण बैंकों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की जनता को आधुनिक बैंकिंग सुविधा दे रहे हैं।

ग्रामीण बैंक के अधिकारियों और कर्मचारिओं से अ वहां किया कि वे गांव के प्रत्येक घर तक बैंकिंग सुविधाओं को पहुंचाएं।

उन्होंने कर्मचारियों और अधिकारियों से कहा कि देश और प्रदेश की सरकार आपके हितों की रक्षा के लिए हमेशा तैयार खड़ी है।

उद्घाटन सत्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री, भारतीय मजदूर संघ (दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश) अनुपम जी,

कार्यवाहक अध्यक्ष, भारतीय मजदूर संघ, उत्तर प्रदेश राकेश सिंह , प्रदेश महामंत्री, भारतीय मजदूर संघ अनिल उपाध्याय ने वर्तमान परिस्थितियों में संगठन के योगदान एवं देश की अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, यादव सिंह ठाकुर ने कहा कि। 7 अप्रैल 2025 को भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के तहत उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक का गठन हुआ आज हमारे प्रदेश के सभी 75 जनपदों में 4500 से ज्यादा शाखाएं हैं जहां 19233 अधिकारी और कर्मचारी कार्यरत हैं और हमारा व्यवसाय है 2 लाख करोड़ से ज्यादा का है उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक देश का सबसे बड़ा बैंक है और व्यवसाय के नजरिए से यह 12वें नंबर पर आता है। हमारा निरंतर प्रयास है कि हम ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी बैंकिंग सुविधा दे सकें।

उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय अधिकारी संगठन ललित सिंह ने ने कहा कि हाल ही में सरकार द्वारा एक राज्य एक ग्रामीण बैंक के समामेलन को राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक के गठन की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

इस दौरान प्रमोशन एवं अप्वाइंटमेंट रूल्स 2010 में संशोधन बाय स्केल 4 की पुनर्व व्याख्या और स्पांसर बैंकों के समकक्ष भत्तों एवं अन्य लाभों की मांग की गई।

प्रभारी भारतीय ग्रामीण बैंक अधिकारी संगठन राजेंद्र शर्मा और सचिव, अखिल भारतीय अधिकारी संगठन धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह अधिवेशन और उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश भर के ग्रामीण बैंक कर्मचारियों की आवाज को सशक्त बनाएगा तथा उनके अधिकारों एवं मांगों के लिए एक संगठित मंच प्रदान करेगा।

इस अवसर पर प्रदेश भर से आए ग्रामीण बैंकों के 800 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी वह अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के बाद जल्द मथुरा आएंगे देशी टार्जन : ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जन जागरूकता समिति के संस्थापक अध्यक्ष ने सम्मानित करके दिया निमंत्रण

मथुरा (जीएनएस)। देश के युवाओं के सेंसेशन सोशल मीडिया पर करोड़ों लोगो की फैन फॉलोइंग रखने वाले देश के जाने-माने पहलवान संजय सिंह उर्फ देशी टार्जन हरियाणा के जींद से युवाओं को नशा मुक्ति के लिए तथा सनातन धर्म को बढ़ाने, युवाओं को नशा मुक्ति और गौमाता को राष्ट्रीय माता का घोषित करने के लिए जल्द मथुरा आएंगे। जानकारी के अनुसार ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जन जागरूकता समिति के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने देशी टार्जन से मुलाकात करके मथुरा आने का निमंत्रण दिया है। इस मौके पर उनके द्वारा चलाई गई मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि आज का युवा अपने रास्ते से भटक गया है, इसीलिए नशा को अपना केंद्र बना लिया है। कहा कि जागरूकता को लेकर मथुरा में कार्यक्रम किया जाएगा। सामाजिक संस्था ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जागरूकता समिति के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने उनको मथुरा आने के लिए आमंत्रित किया और बहुत जल्दी देशी टार्जन मथुरा में युवाओं के बीच आएंगे। उनके कार्यक्रम की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी। संजय सिंह उर्फ देशी टार्जन को उनकी मुहिम के लिए सामाजिक कार्यकर्ता विनोद दीक्षित ने सम्मानित किया। इस मौके पर स्वागत करने वालों में बाबू सैनी, पवन और कृष्ण आदि मौजूद रहे।

संजय सिंह उर्फ देशी टार्जन को सम्मानित करते हुए समिति संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित।

नौहझील पुलिस ने महिला और बालिकाओं से कहा निडर होकर घर से निकलें : मिशन शक्ति फेज-5 अभियान को गति दे रही पुलिस

मथुरा (जीएनएस)। योगी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5 को जनपद पुलिस निरंतर गति देते हुए आगे बढ़ा रही है। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारी नौहझील सोनू सिंह ने मिशन शक्ति टीम के साथ महिला सशक्तिकरण और जागरूकता अभियान के क्रम में मिशन शक्ति फेज-5 को आगे बढ़ाते हुए झाड़ी वाले हनुमान मंदिर शेरगढ रोड़ के साथ ही बस अड्डा समेत विभिन्न स्थानों पर बालिकाओं और महिलाओं को जागरूक करते हुए आत्मरक्षा, गुड-टच और बैड-टच समेत उनके अधिकारों तथा महिला संबंधी अपराधों से बचाव के लिए जानकारी देते हुए जागरुक किया। थाना प्रभारी सोनू सिंह ने मिशन शक्ति टीम के साथ महिला और बालिकाओं को बताया कि बस, रास्तों और सार्वजनिक स्थानों पर मनचलों व शौहदों द्वारा छेडखानी की घटना होने पर डरने के बजाए तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1090 पर सूचना दें या थाने पर पहुंच कर तत्काल मुकदमा दर्ज कराने के लिए जागरुक किया। इसी के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम आदि) का सावधानी से उपयोग करने एवं जागरुक करने के लिए आवश्यक निर्देशों के बारे में जानकारी दी। इसी के साथ महिला और बालिकाओं को यातायात नियमों के बारे में बताते हुए कहा कि वह स्वयं नियमों का पालन करते हुए अपने घर व आसपास के लोगों का भी ट्रैफिक नियमों का पालन करने के साथ जागरुक करें। इसी के साथ उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 वीमेन हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा और 1930 साइबर हेल्पलाइन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।

अधिकांश भारतीय वित्तीय नियोजन को लेकर नहीं हैं गंभीर : सूर्यकांत शर्मा

-निवेशक, पोंजी स्कीम में मेहनत की कमाई को लगाकर उठाते हैं नुकसान

-विश्व निवेशक सप्ताह के समापन पर दी गई अहम जानकारी

मथुरा (जीएनएस)। एएमएफआई के वरिष्ठ सलाहकार सूर्यकांत शर्मा ने कहा कि बढ़ती जीवन प्रत्याशा ने सेवानिवृत्ति की योजना को और भी महत्वपूर्ण एवं सामाजिक रूप से वांछनीय बना दिया है, क्योंकि लगभग 60 प्रतिशत भारतीय सेवानिवृत्ति के लिए तैयार नहीं हैं। वरिष्ठ सलाहकार सूर्यकांत शर्मा ने कहा कि अधिकांश भारतीय वित्तीय नियोजन को लेकर गंभीर नहीं हैं और कभी-कभी अपनी क्षमता से अधिक खर्च कर देते हैं। यह इस तथ्य के साथ और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है कि कई लोग अभी भी नियमित बचत और धन के निवेश के महत्व को नहीं समझते हैं। श्री शर्मा ने कहा कि खराब वित्तीय नियोजन के कारण, निवेशक अपनी मेहनत की कमाई को पोंजी स्कीम या अनियमित योजनाओं में लगा देते हैं, जो अवास्तविक रिटर्न का वादा करती हैं, और अपना पैसा गंवा देते हैं। उन्होंने निवेशकों को वित्तीय लक्ष्य के निर्धारण करने के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कैलकुलेटर का उपयोग करने की सलाह दी।

सूर्यकांत शर्मा ने कहा कि हालांकि यह हमारे हाथ में नहीं है कि हम सेवानिवृत्ति के बाद कितने साल जी पाएंगे, लेकिन मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए, आरामदायक सेवानिवृत्ति जीवन के लिए हमारे पास कितना पैसा होना चाहिए, यह जाना जा सकता है। उन्होंने कहा कि सेबी और एएमएफआई प्रतिभूति बाजार में निवेश उत्पादों, खासकर म्यूचुअल फंड योजनाओं, की संरचना में अधिकतम पारदर्शिता लाने के लिए काम कर रहे हैं।

वरिष्ठ सलाहकार सूर्यकांत शर्मा, विश्व निवेशक सप्ताह के समापन पर बोल रहे थे। यह सप्ताह दुनिया भर के संबंधित प्रतिभूति बाजार नियामकों और भारत के प्रतिभूति बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और प्रतिभूति बाजार के सभी स्टेकहोल्डर्स द्वारा प्रतिभूति बाजार के निवेशकों में जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित किया गया था।

नौहझील पुलिस ने भारी मात्रा में विस्फोटक समेत दो पकड़े

मथुरा (जीएनएस)। थाना नौहझील क्षेत्र स्थित खाजपुर रोड़ से पुलिस ने अवैध तरीके से पटाखे बनाने के लिए विस्फोटक लेकर जा रहे दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार आगामी दिनों में दिवाली के त्यौहार में अवैध पटाखे बनाकर बेचने वाले लोग सक्रिय हो जाते हैं। अवैध तरीके से विस्फोटक का भंडारण करने और पटाखे बनाने वाले लोगों के खिलाफ जनपद पुलिस अभियान चलाकर कार्रवाई कर रही है। इसीक्रम में एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारी नौहझील सोनू सिंह पुलिस टीम के साथ अवैध तरीके से विस्फोटक का भंडारण करके पटाखे बनाने वाले लोगों की तलाश में चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि खाजपुर रोड़ पर श्रीकृष्ण हितकारी इंटर कॉलेज के पास स्थित दो मकानों के सामने अवैध विस्फोट लेकर दो व्यक्ति खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सोनू सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए और संदीप पुत्र देवीचरन उर्फ पटवारी तथा राजवीर पुत्र हुब्बी निवासीगण गांव खाजपुर थाना नौहझील को घेरकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए लोगों के पास से 73 किलो 370 ग्राम विस्फोटक पोटास, बारूद, गंधक, आतिशबाजी बनाने के सामान, मिट्टी के छोटे गोले, कच्चा माल, सुतली बम्ब, सुतली और कागज आदि उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

भारत के ज्ञान-विज्ञान से होगा विश्व का कल्याण : केएम विश्वविद्यालय में हुई आईटीएस पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार

-कई देशों, कई राज्यों और कई शहरों से आए व्याख्याताओं ने भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा के वैश्विक प्रसार पर मंच किया साझा

-भारतीय ज्ञान परंपरा, कल, आज और कल विषय पर हुआ उत्कृष्ट संवाद

मथुरा (जीएनएस)। केएम विश्वविद्यालय एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान ब्रज प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में केएम विवि के संवाद भवन में भारतीय ज्ञान परंपराः कल, आज और कल विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया। इसमें शामिल कई देश, राज्यों और शहरों से आए जानकारों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को अत्यंत गौरवशाली बताया। विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने कहा कि शिक्षा और विद्या जिसमें होती है, वह संस्कारवान है, क्योंकि किताबों से ज्ञान और जीवन के तजुर्बे से शिक्षा ही संस्कार कहलाता है, संस्कार लेने के बाद निश्चित ही वह व्यक्ति कामयाब हो जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ सेमीनार के मुख्य अतिथि प्रो. सुनील बाबूराव कुलकर्णी (केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा), विशिष्ट अतिथि डा. विपिन कुमार (भारत के वित्त और विदेश मंत्रालय में ह्लसलाहकारह्ल), प्रो. राजेश ठाकरे ब्रज यूनीवर्सिटी भरतपुर, प्रो. प्रमोद कुमार शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र के पूर्व क्षेत्र कार्यवाह, सेवानिवृत्त वाइस चांसलर, केएम विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी, कुलपति डा. एनसी प्रजापति, कुलसचिव डा. पूरन सिंह और मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मां सरस्वती के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर कुलाधिपति सहित विवि के डीन और प्रोफेसरों ने सभी मुख्य अतिथि व आंगुतकों को गुलदस्ता और पटुका पहनाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि प्रो. सुनील बाबूराव कुलकर्णी ने भारतीय ज्ञान परंपरा और व्यवस्थित शिक्षा पर बारीकीयां को समझाते हुए कहा कि वर्तमान पाठ्यक्रमों से विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल तो तैयार हो रहे हैं लेकिन मानव निर्माण की शिक्षा का नितांत आभाव है, जो भारत भाषा पर ठेस पहुंचाती है, विदेशी भाषा के तहत शिक्षा, कामकाज और अंग्रेजी हमारे कल्चर में आयी है। जिससे हमारे वेदो, ऋषि, शास्त्रों और संस्कार को खारिज कर दिया है। भारतीय पश्चिमी सभ्यता से हमारी संस्कृति दूर जा रही है। पहले भारत मृत्यु से नहीं डरता था, लेकिन अब डरता है, पहले भारतीयों को ज्ञान पर गर्व होता था, अब पश्चिमी विचार पर गर्व होता है, पहले सत्य बोला जाता था अब झूठ बोला जाता है। विदेशी भाषा का चयन करना ही हमारे जीवन को परिवर्तन कर देता है। वहीं प्रो. राजेश ठाकरे ने पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति का डंका पूरे विश्व में है लेकिन पश्चिमी संस्कृति को हम जानते हैं, किंतु अपनी भारतीय संस्कृति को भूल गए हैं। उन्होंने माइक्रो प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की सलाह दी तथा वर्तमान शिक्षा में पुरानी विधाओं का बताया। वहीं प्रोफेसर प्रमोद कुमार शर्मा ने कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा अत्यंत गौरवशाली रहा है, प्राचीन ऋषि अपने आप में वैज्ञानिक थे। इन ऋषियों ने जीवन के प्रत्येक पहलुओं जैसे, नैतिक, भौतिक, आध्यात्मिक, चारीत्रिक और व्यवसायिक आदि का गहनता से विश्लेषण किया और समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। कहा कि आज का भारत पाच्क्षात्य सभ्यता के जाल में फंसकर अपने गौरवशाली परंपरा और उत्कृष्ट ज्ञान भंडार से दूर होता जा रहा है।